सीआईएस

सत्रीय कार्य

जनवरी 2024

एवं

जुलाई 2024 सत्र

हेतु

रेषम कीट पालन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीआईएस)

(केंद्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय (भारत सरकार) के सहयोग से विकसित)

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि

पाठ्यक्रम कोड	पीएससी में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2024 सत्र	जुलाई 2024 सत्र
बी.एल.पी. 001	31 मार्च 2024	30 सितम्बर 2024
बी.एल.पी.आई. 002	31 मार्च 2024	30 सितम्बर 2024
बी.एल.पी.आई. 003	31 मार्च 2024	30 सितम्बर 2024
बी.एल.पी. 004	31 मार्च 2024	30 सितम्बर 2024

नोट :

- कृपया, अपना सत्रीय कार्य उपरोक्त तिथि के अनुसार अपने अध्ययन केन्द्र/पीएससी में जमा कराए।
- परीक्षा फार्म जमा कराने से पहले (मार्च और सितम्बर में क्रमशः जून और दिसम्बर सत्रांत परीक्षा हेतु), अनिवार्य है कि आप जिन पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे उनसे संबंधित सत्रीय कार्य जमा करायें और कार्यक्रम प्रभारी या अध्ययन केंन्द्र/पीएससी के संयोजक से प्रमाणीकरण करायें।

प्रिय शिक्षार्थी,

"रेशम कीट पालन में प्रमाणपत्र (सी.आई.एस.) कार्यक्रम" में आपका स्वागत है।

आशा है कि आपने सी.पी.एफ. कार्यक्रम मार्गदर्शिका को अच्छे से पढ़ लिया होगा। सत्रांत परीक्षा (टीईई) की अधिभारिता-80% और सतत् मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) की 20% होगी। सैद्धांतिक घटक के साथ प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य है अर्थात् कार्यक्रम में सम्मिलित पाठ्यक्रमों (बी.एल.पी.-001, बी.एल.पी.आई.-002, बी.एल.पी.आई.-003 और बी.एल.पी.-004) के लिए 4 सत्रीय कार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंकों का है जो कि अंततः, सैद्धांतिक घटक की 20% अधिभारिता में परिवर्तित होगा। शिक्षार्थियों को सलाह दी जाती है कि आप सर्वप्रथम अध्ययन सामग्रियों का अध्ययन करें और तत्पश्चात् निर्देशों को ध्यान में रख कर सत्रीय कार्य प्रतिक्रिया तैयार करें। आपकी प्रतिक्रियाएं स्व–अध्ययन उद्देश्यों के लिए प्रदत्त पाठ्यपुस्तक सामग्री/खंडों की ज्यों की त्यों नकल नहीं होनी चाहिए। अपनी सत्रीय कार्य प्रतिक्रियाएं निर्धारित तारीख या इससे पहले तक अपने अध्ययन केंद्र/कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पीएससी) में जमा करा दें। सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन अध्ययन केंद्र/पीएससी के परामर्शदाताओं द्वारा किया जायेगा और प्राप्त अंकों की अधिभारिता सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत में जोड़ दी जायेगी। सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक शिक्षार्थी को सत्रीय कार्य पूरा करना होगा। इसलिए अपने सत्रीय कार्यों को सजगता से लें और समय पर जमा करायें।

सामान्य निर्देष

1. यदि आप किसी सामान्य निर्देश सत्र की देय तारीख से पहले सत्रीय कार्य जमा नहीं करा पाते तो आपको आगामी सत्रों के सत्रीय कार्य के नये सेट को पूरा करना होगा।
2. अपनी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के सबसे ऊपर दाये कोने में अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और प्रेषण की तारीख लिखें।
3. अपनी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के बायें कोने में कार्यक्रम, शीर्षक, पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड, अध्ययन केंद्र कोड के स्थान का उल्लेख करें।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए आपकी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के सबसे ऊपर का भाग इस तरह होना चाहिए:

पाठ्यक्रम शीर्षक	नामांकन संख्या ....
कार्यक्रम कोड	नाम ....
अध्ययन केंद्र का कोड	पता ....
(स्थान)	तिथि ....

नोट : उपर्युक्त फार्मेट का अनुसरण कड़ाई से करें।

4. आपकी उत्तर पृष्ठिका हर नज़रिए से पूरी होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि सत्रीय कार्य जमा कराने से पहले आपने सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं। अधूरे उत्तर खराब अंक देंगे।
5. जहाँ तक संभव हो पाठ्यक्रम सामग्री के प्रासंगिक बिंदुओं का उल्लेख करें और पाठ्य सामग्री की ज्यों की त्यों नकल लिखने की बजाय अपने उत्तर अपने शब्दों में खोल कर लिखें।
6. सत्रीय कार्य करते समय अध्ययन सामग्री की नकल न मारें। देखा गया है कि सत्रीय कार्यों को पूरा करने के लिए अध्ययन सामग्री की नकल मारी जाती है और इसके लिए शून्य अंक मिलेगा।
7. अन्य शिक्षार्थियों की उत्तर पृष्ठिकाओं से नकल न मारें। यदि ऐसा पाया जाता है तो संबद्ध शिक्षार्थियों के सत्रीय कार्यों को खारिज़ कर दिया जाएगा।
8. अपने उत्तर फुलस्केप साइज़ पेपर पर ही लिखें। सामान्य लेखन पत्र, न अधिक मोटे या पतले, ही कारगर होंगे। सत्रीय कार्य अनिवार्यतया हस्तलिखित ही हों। टंकित सत्रीय कार्य स्वीकार्य नहीं होंगे।
9. प्रत्येक सत्रीय कार्य में बाये और 3 इंच का मार्जन और प्रत्येक उत्तर की समाप्ति के बाद 4 पंक्तियों का फासला देना जरूरी है। प्रत्येक उत्तर की प्रश्न संख्या साफ तरीके से लिखें। सत्रीय कार्य करते समय, कृपया निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।
10. आपके अध्ययन केंद्र/पीएससी के संयोजक आपके मूल्यांकित सत्रीय कार्य आपको लौटा देंगे। सत्रीय कार्यों में आपके निष्पादन पर मूल्यांकन की संपूर्ण टिप्पणियाँ वाली मूल्यांकन पृष्ठिका की प्रति भी सम्मिलित होगी। इससे आप भावी सत्रीय कार्यों एवं सत्रांत परीक्षाओं को अधिक बेहतर तरीके से करने के योग्य होंगे।
11. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र/पीएससी कार्यक्रम प्रभारी/संयोजक को भेजें।

सत्रीय कार्य करने से पहले निर्देषों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।
कार्यक्रम की सफलता हेतु हमारी शुभकामनाएं!

सुखद अध्ययन!

कार्यक्रम संयोजक (सी.आई.एस.)

बी.एल.पी.-001: रेशम उत्पाद का परिचय

कुल अंक: 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दिजिए। सभी के अंक समान है। **(5x10=50)**

1. रेशमकीट के जीवन चक्र को रेखाचित्र की सहायता से समझाइए।
2. रेशम उत्पादन, अन्य किसी कृषि फसल की तुलना में थोड़े समय में ही अधिक धन देता है? अपने शब्दों में कथन की पुष्टि कीजिए।
3. रेशम उत्पादन उद्योग में मानव संसाधन विकास में विभिन्न संगठनों/संस्थानों की भूमिका का वर्णन कीजिए।
4. रेशम उत्पादन उद्योग में उपलब्ध विभिन्न व्यवसाय अवसरों की सूची बनाइए।
5. अबद्ध (loose) अंडा उत्पादन में सम्मिलित विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।

बी.एल.पी.आई.-002: पोषक पौधे की कृषि

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दिजिए। सभी के अंक समान है। **(5x10=50)**

1. पौधशाला निर्माण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
2. मशीनीकरण को परिभाषित कीजिए। इसके लाभ क्या हैं? रेशम उत्पादन में मशीनीकरण का क्षेत्र विस्तार क्या है?
3. शहतूत के बागानों में रासायनिक अनुप्रयोग में प्रयुक्त मशीनों को सूचीबद्ध कीजिए। इनका सविस्तार वर्णन कीजिए।
4. पूरब/उत्तर पूर्वी भारत में सिंचाई, मृदा नमी संरक्षण और खरपतवार संबंधी किन विधियों का चलन है? वर्णन कीजिए।
5. टैपियोका की खेती की विधि का वर्णन कीजिए।

बी.एल.पी.आई.-003: रेशमकीट पालन

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दिजिए। सभी के अंक समान है। **(5x10=50)**

1. मूगा रेशमकीट के जीवनचक्र को रेखाचित्र की सहायता से समझाइए।
2. चाकी रेशमकीट पालन संबंधी व्यवहारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
3. वयस्क रेशम कीट पालन की विभिन्न विधियों को सूचीबद्ध कीजिए। किसी एक विधि को विस्तार से लिखिए।
4. ऐरी रेशमकीट की ऊष्मायन, ब्रशिंग एवं पालन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
5. लाभ–अलाभ बिंदु की संकल्पना का वर्णन, रेखाचित्र की सहायता से कीजिए।

बी.एल.पी.-004: फसल सुरक्षा / बचाव

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दिजिए। सभी के अंक समान है। **(5x10=50)**

1. मूल गांठ रोग के रोगकारक, रोग उत्पत्ति अवधि, फसल हनन, लक्षण और नियंत्रण संबंधी उपायों का वर्णन कीजिए।
2. फ्लेचरी रोग के रोगकारक, इसकी उत्पत्ति अवधि, स्त्रोत, संक्रमण मार्ग, लक्षणों एवं प्रंबधन को लिखिए।
3. रेशमकीट पालन के दौरान अनुसरणीय स्वास्थ्यकर व्यवहारों का वर्णन कीजिए।
4. यूज़ी मक्खी के नियंत्रण एवं प्रबंधन हेतु किन विभिन्न विधियों का चलन है? वर्णन कीजिए।
5. तसर रेशमकीट के महत्वपूर्ण परभक्षियों को सूचीबद्ध कीजिए। किसी एक को सविस्तार लिखिए।